सीएसआईआर-सीरी में लघु उद्योग भारती के साथ औद्योगिक गोष्ठी का आयोजन

संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया गया

सीएसआईआर मुख्यालय द्वारा आरंभ किए गए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम "100 प्रौद्योगिकियाँ - 100 दिन" के अंतर्गत सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में 17 सितंबर, 2024 को लघु उद्योग भारती के साथ एक औद्योगिक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों और वर्तमान में चल रही प्रमुख परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित 100 प्रौद्योगिकियों/ तकनीकों, ज्ञान और उत्पादों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को 100 दिनों के भीतर हस्तांतरित करना है। इस महत्वपूर्ण सहयोग के तहत सीएसआईआर और लघु उद्योग भारती के बीच विगत 21 अगस्त, 2024 को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) का आदान-प्रदान हुआ है।

लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने संस्थान के शोध क्षेत्रों एवं वर्तमान में चल रही विभिन्न अनुसंधान और विकास गतिविधियों की जानकारी दी एवं प्रतिनिधिमंडल को तकनीकी हस्तांतरण के बाद हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री घनश्याम ओझा,
अखिल भारतीय अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

संस्थान में आयोजित किए गए इस औद्योगिक समागम में लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा और महासचिव श्री ओम प्रकाश गुप्ता ने किया। साथ ही इस अवसर पर संगठन से जुड़े अन्य अतिथि एवं उद्यमी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सीएसआईआर की ओर से डॉ. महेश कुमार और सुश्री दीप्ति ने गोष्ठी में प्रतिभागिता की। इस बैठक में उद्योग भारती के तत्वावधान में 50 उद्यमी एवं एमएसएमई के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।

एफआरएएस प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी सहमति पत्र का आदान-प्रदान करते हुए सीएसअसाईआर-सीरी और सुनीता मार्बल्स एंड हैंडीक्राफ्ट्स के अधिकारीगण

संस्थान द्वारा विकसित चेहरा आधारित उपस्थिति प्रणाली एफआरएएस पर सुशीला मार्बल्स एंड हैण्डीक्राफ्ट्स ने रुचि दिखाते हुए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर सहमति व्यक्त की और इस संबंध में औपचारिक कार्रवाई आरंभ की गई। इसके अलावा उद्यमियों ने संस्थान की कुछ अन्य प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों के व्यावसायिक उत्पादन पर भी रुचि दर्शाई।

डॉ मनीष मैथ्यू, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, तकनीकी व्यवसाय प्रभाग, ने संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (ToT) की प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी।

संस्थान द्वारा प्रौद्योगिकियों का प्रस्तुतीकरण देते हुए
डॉ मनीष मैथ्यू, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

सभागार में उपस्थित डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी एवं लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि

कार्यक्रम के दौरान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें सीएसआईआर-सीरी की वैज्ञानिक और तकनीकी टीमों ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों का प्रदर्शन किया। प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स साइंस म्यूज़ियम और प्रिसीजन एग्रीकल्चर रिसर्च स्टेशन का भी दौरा किया।

इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान दीर्घा और औद्योगिक प्रदर्शनी के भ्रमण के दौरान
उद्योग जगत के प्रतिनिधि

संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा करते हुए
लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि

परिचर्चा

सीरी की शोध गतिविधियों पर प्रतिनिधिमंडल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इस बैठक एवं गोष्ठी के आयोजन की सराहना की। श्री ओझा ने कहा कि इससे हमारे उद्यमी प्रेरित हुए हैं और निश्चित रूप से एमएसएमई के माध्यम से उत्पादकता, प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। अन्य प्रतिभागियों ने अपना फीडबैक देते हुए कहा कि यह सहयोग शोध प्रयोगशाला और उद्योगों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एमएसएमई के लिए टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित विकास को प्रोत्साहित करेगा।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री प्रमोद तँवर, प्रमुख, पीएमई

इस आयोजन का समन्वयन डॉ मनीष मैथ्यु एवं श्री प्रमोद तँवर, प्रमुख, PME ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि लघु उद्योग भारती के माध्यम से एमएसएमई के साथ यह साझेदारी 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' मिशनों को बल देने में भी सहायक होगी।

कार्यक्रम के कुछ अन्य चित्र